RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 320
दि. 24.03.2026, मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर लोकसभा को संबोधित किया

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज लोकसभा को पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और इससे भारत के समक्ष उत्पन्न व्यापक चुनौतियों के विषय पर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह संकट तीन सप्ताह से अधिक समय से जारी है, जिसके वैश्विक अर्थव्यवस्था और जनजीवन पर गंभीर दुष्परिणाम हुए हैं। प्रधानमंत्री ने इसके समाधान की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। श्री मोदी ने स्थिति की गंभीरता को रेखांकित करते हुए कहा, "पूरी दुनिया सभी पक्षों से इस संकट के शीघ्र समाधान का आग्रह कर रही है।"

भारत के समक्ष विद्यमान चुनौतियों की प्रकृति पर विस्तार से चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि युद्ध ने अभूतपूर्व आर्थिक, राष्ट्रीय सुरक्षा और मानवीय दबाव पैदा कर दिया है। उन्होंने कहा कि युद्धग्रस्त और युद्ध से प्रभावित देशों के साथ भारत के व्यापक व्यापारिक संबंध हैं, संघर्ष क्षेत्र महत्वपूर्ण व्यापार मार्गों पर स्थित है और भारत की कच्चे तेल और गैस की आवश्यकताओं का एक बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से पूरा होता है। खाड़ी देशों में रहने और काम करने वाले लगभग एक करोड़ भारतीयों और उन जलक्षेत्रों में वाणिज्यिक जहाजों पर सवार बड़ी संख्या में भारतीय चालक दल के सदस्यों की ओर ध्यान दिलाते हुए प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा, "स्वाभाविक रूप से भारत की चिंताएं कहीं अधिक हैं, इसलिए यह आवश्यक है कि इस संकट पर भारत की संसद से एकजुट और सर्वसम्मत आवाज विश्व के सामने रखी जाए।"

प्रधानमंत्री ने भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए सरकार की त्वरित कार्रवाई का विवरण देते हुए सदन को सूचित किया कि युद्ध आरंभ होने के बाद से प्रभावित देशों में प्रत्येक भारतीय को आवश्यक सहायता प्रदान की गई है। श्री मोदी ने कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से दो चरण में अधिकांश पश्चिम एशियाई देशों के राष्ट्राध्यक्षों से बात की है, जिन्होंने भारतीयों की सुरक्षा के संबंध में पूर्ण आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा, "घायलों को बेहतर चिकित्सा उपचार सुनिश्चित किया जा रहा है और ऐसी कठिन परिस्थितियों में शोक संतप्त परिवारों को आवश्यक सहायता प्रदान की जा रही है।"

प्रधानमंत्री ने विदेश में रहने वाले भारतीयों के लिए सक्रिय किए गए कांसुलर और संस्थागत सहायता ढांचे का विस्तृत विवरण दिया। उन्होंने बताया कि प्रभावित देशों में स्थित सभी भारतीय दूतावास निरंतर सहायता प्रदान कर रहे हैं, नियमित रूप से सलाह जारी कर रहे हैं।

और भारत तथा अन्य प्रभावित देशों में चौबीसों घंटे चलने वाले नियंत्रण कक्ष और आपातकालीन हेल्पलाइन स्थापित किए गए हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सक्रिय लोकसम्पर्क पर बल देते हुए कहा, "इन तंत्रों के माध्यम से सभी प्रभावित लोगों को, चाहे वे भारतीय श्रमिक हों या पर्यटक, तुरंत जानकारी प्रदान की जा रही है।"

प्रधानमंत्री ने निकासी अभियान की व्यापकता पर प्रकाश डालते हुए सदन को सूचित किया कि युद्ध आरंभ होने के बाद से 3,75,000 से अधिक भारतीय सुरक्षित रूप से भारत लौट चुके हैं, जिनमें अकेले ईरान से लगभग 1,000 भारतीय शामिल हैं, जिनमें से 700 से अधिक युवा मेडिकल छात्र हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सीबीएसई ने खाड़ी देशों में स्थित भारतीय स्कूलों में निर्धारित कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं रद्द कर दी हैं और शिक्षा की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रहा है। सरकार के दृष्टिकोण का सारांश प्रस्तुत करते हुए श्री मोदी ने कहा, "सरकार संवेदनशील, सतर्क और हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए तत्पर है।"

प्रधानमंत्री ने ऊर्जा आपूर्ति के

गंभीर मुद्दे पर स्वीकार किया कि बड़ी मात्रा में कच्चा तेल, गैस, उर्वरक और अन्य आवश्यक वस्तुएं होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर भारत पहुंचती हैं, और युद्ध के बाद से जलडमरूमध्य से होकर माल ढुलाई करना बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सरकार का मुख्य ध्यान आम परिवारों को कठिनाइयों से बचाने पर रहा है। एलपीजी के घरेलू उपयोग को प्राथमिकता देने और इसके घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने जैसे उपायों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, "पूरे देश में पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति सुचारू रूप से जारी रखने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।"

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि पिछले एक दशक में अपनाई गई ऊर्जा विविधीकरण रणनीति विद्यमान संकट में कितनी कारगर साबित हुई है। उन्होंने सदन को बताया कि भारत ने पिछले 11 वर्षों में ऊर्जा आयात के अपने स्रोतों को 27 देशों से बढ़ाकर 41 देशों तक कर दिया है, जिससे किसी एक क्षेत्र पर निर्भरता कम हो गई है। इस दूरदर्शितापूर्ण दृष्टिकोण पर बल देते हुए श्री मोदी ने कहा, "आज की परिस्थितियों में, ऊर्जा सुरक्षा के संबंध में पिछले एक दशक में उठाए गए कदम और भी अधिक प्रासंगिक हो गए हैं।"

प्रधानमंत्री ने रणनीतिक भंडार के विषय पर कहा कि भारत ने संकट के ऐसे ही समय के लिए कच्चे तेल के भंडारण को प्राथमिकता दी है। उन्होंने सदन को सूचित किया कि भारत के पास आज 53 लाख मीट्रिक टन से अधिक का कार्यनीतिक पेट्रोलियम भंडार है और तेल कंपनियों के अलग-अलग भंडारों के अतिरिक्त 65 लाख मीट्रिक टन से अधिक का भंडार बनाने का कार्य जारी है। भारत के शोधन तंत्र में समग्र सुधार पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, "पिछले 11 वर्षों में हमारी शोधन क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।" प्रधानमंत्री ने वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं के साथ सरकार की सक्रिय भागीदारी और खाड़ी जलमार्गों की सतर्क निगरानी का विस्तृत विवरण दिया, ताकि भारत को तेल, गैस, उर्वरक और अन्य आवश्यक वस्तुएं ले जाने वाले जहाजों का सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित किया जा सके। समुद्री गलियारों को सुरक्षित रखने के लिए सभी वैश्विक साझेदारों के साथ निरंतर संवाद का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा, "इन प्रयासों के कारण, होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे हमारे कई जहाज हाल ही में भारत पहुंच चुके हैं।"

प्रधानमंत्री ने भारत के घरेलू ऊर्जा परिवर्तन की बात करते हुए इथेनॉल मिश्रण में हुई असाधारण प्रगति पर प्रकाश डाला, जो एक दशक पहले मात्र 1-1.5 प्रतिशत से बढ़कर आज लगभग 20 प्रतिशत हो गया है। इससे तेल आयात में प्रति वर्ष लगभग साढ़े चार करोड़ बैरल की कमी आई है। उन्होंने रेलवे के विद्युतीकरण का भी उल्लेख किया, जिससे प्रति वर्ष लगभग 180 करोड़ लीटर डीजल की बचत हुई है। मेट्रो नेटवर्क का विस्तार 2014 में 250 किलोमीटर से कम से बढ़कर आज लगभग 1,100 किलोमीटर हो गया है और केंद्र सरकार द्वारा राज्यों को 15,000 इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध कराई गई हैं। भारत के ऊर्जा भविष्य में विश्वास जताते हुए, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जोर देकर कहा, "वैकल्पिक ईंधनों पर आज जिस स्तर पर काम हो रहा है, उससे भारत का भविष्य और भी सुरक्षित होगा।" व्यापक आर्थिक प्रभावों पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया कि ऊर्जा आधुनिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और पश्चिम एशिया वैश्विक ऊर्जा आवश्यकताओं का एक प्रमुख स्रोत है, जिससे वर्तमान संकट विश्व भर की अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक चुनौती बन गया है। उन्होंने सदन को सूचित किया कि सरकार मजबूत आर्थिक आधारभूत सिद्धांतों, सेक्टर-विशिष्ट हितधारकों के परामर्श और भारत की आयात-निर्यात श्रृंखला में हर कठिनाई का आकलन और समाधान करने के लिए प्रतिदिन बैठक करने वाले एक समर्पित अंतर-मंत्रालयी समूह द्वारा समर्थित एक व्यापक अल्पकालिक, मध्यम-अवधि और दीर्घकालिक रणनीति पर काम कर रही है। श्री मोदी ने आशा व्यक्त करते हुए कहा, "मुझे पूरा विश्वास है कि सरकार और उद्योग के संयुक्त प्रयासों से हम इन परिस्थितियों का प्रभावी ढंग से सामना करने में सक्षम होंगे।"

कृषि पर युद्ध के प्रभाव के बारे में प्रधानमंत्री ने सदन को आश्वस्त किया कि भारत के किसानों ने पर्याप्त खाद्यान्न भंडार सुनिश्चित कर लिया है और सरकार खरीफ की उचित बुवाई को सुविधाजनक बनाने के लिए काम कर रही है तथा हाल के वर्षों में मजबूत आपातकालीन खाद्य व्यवस्थाएं बनाई हैं। कोविड-19 महामारी और उससे संबंधित वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के दौरान भी, जब अंतरराष्ट्रीय बाजारों में यूरिया की कीमतें 3,000 रुपये प्रति बोरी तक पहुंच गईं थीं, तब भी सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि भारतीय किसानों को वही बोरी 300 रुपये से कम में मिले।

योगी सरकार ने बढ़ाई गेहूं की एमएसपी, 6500 केंद्रों पर कब से शुरू होगी खरीद?

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सोमवार को कैबिनेट बैठक हुई. इस बैठक में कुल 35 प्रस्तावों पर मुहर लगी है. लेकिन इसमें जो सबसे अहम प्रस्ताव है, वह है गेहूं की एमएसपी वृद्धि. योगी सरकार ने बैठक में 160 रुपये प्रति क्विंटल गेहूं की एमएसपी बढ़ाने का फैसला किया है.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार की सुबह 11 बजे लोकभवन में कैबिनेट बैठक हुई. इस बैठक में कुल 35 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई. इसमें सबसे अहम किसानों के लिए है. योगी सरकार ने गेहूं की फसल 160 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी बढ़ा दी है. गत वर्ष की तुलना में ₹160 प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है. 30 मार्च 2026 से 15 जून 2026 तक खरीद की जाएगी. राज्य के अंदर 8 क्रय एजेंसियों द्वारा खरीद की जाएगी. कुल 6500 क्रय केंद्र सभी 75 जनपदों में चलेंगे. बताया जा रहा है कि एफसीआई, यूपी मंडी परिषद, पीसीएफ, पीसीयू, यूपीएसएस, नैफेड, एनसीसीएफ के माध्यम से खरीद की जाएगी. लखनऊ में इंटरनेशनल एक्जीविशन सेंटर 1435 करोड़ रुपए का कन्वेंशन हाल बनेगा. इसमें दस हजार लोगों की क्षमता होगी.

संभल को मिला योगी सरकार का तोहफा

इसके अलावा संभल जिले में इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक सेंटर स्थापित किये जाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है. उत्तर प्रदेश मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क 2024 नीति के तहत ग्रेटर नोएडा में लॉजिस्टिक वेयर हाउस बनाये जाने के लिए टेंडर प्रक्रिया के प्रस्ताव को मंजूरी मिली है.

संक्षिप्त समाचार

विश्व क्षय रोग दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति का संदेश

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने विश्व क्षय रोग दिवस की पूर्व संध्या पर अपने संदेश में राष्ट्रीय क्षय रोग/तपेदिक/टीबी उन्मूलन कार्यक्रम की सफलता की सराहना की है। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा कि मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि क्षय रोग से उत्पन्न वैश्विक चुनौती के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए 24 मार्च को 'विश्व क्षय रोग दिवस' मनाया जा रहा है।

एनडीए ने किया सीट शेयरिंग का ऐलान, जानें कितने सीटों पर लड़ेगी बीजेपी?

(जीएनएस)।

तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी बीच राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने राज्य में सीट शेयरिंग का ऐलान कर दिया है। गठबंधन के तहत भारतीय जनता पार्टी 27 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि पट्टाली मक्कल कच्छी को 18 सीटें और एएमएमके को 11 सीटें दी गई हैं।

तमिलनाडु विधानसभा में कुल 234 सीटें हैं, जहां सरकार बनाने के लिए 118 सीटों का बहुमत जरूरी होता है। ऐसे में ठऊअ का यह सीट बंटवारा चुनावी रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है। हालांकि, राज्य की राजनीति में मुख्य मुकाबला पारंपरिक रूप से डीएमके-कांग्रेस और ठऊअ गठबंधन के बीच माना जाता है। इस बार सुपरस्टार विजय की पार्टी टीवीके भी मैदान में है। इसलिए मुकाबला त्रिकोणीय हो सकता है।

पीयूष गोयल ने किया NDA की जीत का दावा

केंद्रीय मंत्री और तमिलनाडु चुनाव के प्रभारी पीयूष गोयल ने कहा, 'हम सभी एक परिवार हैं और हम चुनाव जीतने के लिए लड़ेंगे। हम

27 सीटों से पूरी तरह संतुष्ट हैं। राज्य के लोग मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और उपमुख्यमंत्री उधयनिधि स्टालिन से नाराज हैं। उन्होंने राज्य की संस्कृति को आहत किया है। ठऊअ राज्य में सरकार बनाएगा।'

- ऊटड के नेतृत्व वाले गठबंधन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, वाम दल और अन्य क्षेत्रीय पार्टियां शामिल हैं। पिछली बार के चुनाव में ऊटड गठबंधन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सत्ता हासिल की थी।

- मौजूदा समय में राज्य के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन हैं, जो ऊटड के प्रमुख भी हैं। लोकसभा चुनाव में भी डीएमके और कांग्रेस का प्रदर्शन शानदार था।

: चुनाव में क्षेत्रीय मुद्दे हावी

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार का चुनाव काफी दिलचस्प होने वाला है। एक तरफ ठऊअ अपने संगठन को मजबूत करने और सीटों पर बेहतर प्रदर्शन की कोशिश कर रहा है, वहीं ऊटड गठबंधन अपने पिछले प्रदर्शन को दोहराने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगा। इस चुनाव में विकास, रोजगार, क्षेत्रीय पहचान और केंद्र-राज्य संबंध जैसे मुद्दे अहम भूमिका निभा सकते हैं। साथ ही, गठबंधन की रणनीति और उम्मीदवारों का चयन भी परिणाम को प्रभावित करेगा।

चुनाव प्रचार होगा तेज

NDA के सीट शेयरिंग के ऐलान के साथ ही तमिलनाडु में चुनावी मुकाबला और तेज हो गया है। आने वाले दिनों में सियासी समीकरण और भी स्पष्ट होने की संभावना है। बीजेपी और एआईएडीएमके समेत कई दलों ने धुआंधार चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है। सीएम स्टालिन खुद चुनाव प्रचार की कमान संभाले हुए हैं। आने वाले दिनों में पीएम मोदी समेत कई दिग्गज नेता चुनाव प्रचार करते नजर आ सकते हैं।

350 किमी की स्पीड से दौड़ेगी ट्रेन, जमीन के नीचे तैयार हो रहा एलिवेटेड ट्रैक

(जीएनएस)।

हैदराबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को लेकर एक बड़ा तकनीकी फैसला सामने आया है। 23 मार्च 2026 की स्थिति के अनुसार, इस हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए पूरी तरह एलिवेटेड ट्रैक बनाया जाएगा। यह फैसला न केवल तकनीकी रूप से बेहतर माना जा रहा है, बल्कि व्यावहारिक रूप से भी बेहद उपयोगी साबित हो सकता है।

एलिवेटेड ट्रैक का सबसे बड़ा फायदा सुरक्षा और गति से जुड़ा है। जमीन से ऊपर होने के कारण ट्रैक पर किसी भी तरह की बाहरी बाधा-जैसे मवेशी, इंसान या वाहन-आने की संभावना नहीं रहती। इससे बुलेट ट्रेन को 300-350 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से सुरक्षित तरीके से चलाया जा सकता है। इसके अलावा, पारंपरिक रेलवे नेटवर्क में मौजूद लेवल क्रॉसिंग (फाटक) की समस्या भी पूरी तरह खत्म हो जाती है।

एलिवेटेड ट्रैक के लिए तैयारी जारी

- इस प्रोजेक्ट का दूसरा अहम पहलू है कम भूमि अधिग्रहण। एलिवेटेड ट्रैक पिलर्स (खंभों) पर टिका होता है, जिससे जमीन के बड़े हिस्से की जरूरत नहीं पड़ती।

- जमीन सिर्फ वहीं ली जाती है जहां पिलर्स लगाए जाते हैं। इससे किसानों की जमीन पर असर कम पड़ता है और वे पिलर्स के नीचे खेती जारी रख सकते हैं।

- यही कारण है कि इस मॉडल से भूमि विवाद भी कम होते हैं और प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ता है।

खास तकनीक का इस्तेमाल

तकनीकी रूप से इस कॉरिडोर में 'वायडक्ट' तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। 'फुल स्पैन लॉन्चिंग मेथर्ड' के जरिए बड़े-बड़े कंक्रीट गर्डर्स को पहले से तैयार कर क्रेन की मदद से पिलर्स पर स्थापित किया जाता है। इससे निर्माण की गति पारंपरिक तरीकों

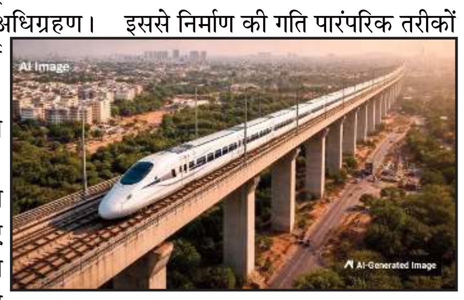

की तुलना में कई गुना बढ़ जाती है। हालांकि, लागत के लिहाज से एलिवेटेड ट्रैक काफी महंगा होता है। यह पारंपरिक ट्रैक की तुलना में 10 से 15 गुना ज्यादा खचीर्ला हो सकता है, लेकिन सुरक्षा, गति और दीर्घकालिक फायदे को देखते हुए इसे सबसे बेहतर विकल्प माना जा रहा है। हैदराबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में एलिवेटेड ट्रैक का फैसला भविष्य की आधुनिक और सुरक्षित रेल व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

शहरी कनेक्टिविटी के लिए बेहतर

शहरी कनेक्टिविटी के लिहाज से भी एलिवेटेड ट्रैक काफी अहम है। पुणे और हैदराबाद जैसे घनी आबादी वाले शहरों में जमीन पर ट्रैक बनाना बेहद मुश्किल होता है। ऐसे में एलिवेटेड ट्रैक मौजूदा सड़कों या मेट्रो लाइनों के ऊपर से गुजर सकता है, जिससे शहर के भीतर स्टेशन बनाना आसान हो जाता है। इसके अलावा, एलिवेटेड ट्रैक बारिश और बाढ़ जैसी प्राकृतिक समस्याओं से भी सुरक्षित रहता है। जमीन पर बने ट्रैक अक्सर जलभराव से प्रभावित हो सकते हैं, जबकि ऊंचाई पर बने ट्रैक पर इसका असर बेहद कम होता है।

दिल्ली का चंद्रावल प्लांट ठप, करोल बाग-वसंत विहार सहित इन इलाकों में 3 दिन नहीं आएगा पानी

राजधानी दिल्ली के बड़े हिस्से में अगले कुछ दिनों तक गंभीर जल संकट गहराने वाला है। दिल्ली जल बोर्ड के महत्वपूर्ण चंद्रावल वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट-2 में आई तकनीकी खराबी के कारण जलापूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है। दरअसल, प्लांट के पंप हाउस के पास 600 एमएम की बैकवॉश लाइन अचानक फट गई, जिससे पंप हाउस जलमग्न हो गया और वहां लगी मशीनें व बिजली उपकरण बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, मशीनों को सुखाने और मरम्मत करने में कम से कम तीन दिन का समय लग सकता है। इसके अतिरिक्त, विभिन्न जलाशयों की सफाई का काम चलने के कारण 23 और 24 मार्च को भी कई क्षेत्रों में पानी नहीं आएगा। प्रशासन ने नागरिकों से पानी का संयम से इस्तेमाल करने की अपील की है।

पंप हाउस में भरा पानी, मशीनें हुई खराब

दिल्ली जल बोर्ड के अनुसार, पाइप फटने की वजह से पानी का बहाव इतना तेज था कि पंप हाउस में लगे संवेदनशील बिजली उपकरणों में नमी और पानी चला गया है। जब तक ये मशीनें पूरी तरह सूख नहीं जातीं, प्लांट को दोबारा शुरू करना तकनीकी रूप से संभव नहीं है। इंजीनियरों की टीम युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य में जुटी है।

इन इलाकों में मचेगा हाहाकार!

चंद्रावल प्लांट ठप होने से दिल्ली के कई प्रमुख रिहायशी और कमर्शियल इलाकों में पानी की किल्लत रहेगीः

मध्य और उत्तर दिल्लीः सिविल लाइंस, हिंदूराव अस्पताल क्षेत्र, कमला नगर, शक्ति नगर, करोल बाग, पहाड़गंज।

पश्चिम और दक्षिण दिल्लीः राजिंदर नगर, पटेल नगर, बलजीत नगर, इंदरपुरी, दिल्ली कैंट, वसंत विहार, आरके पुरम, मुनिरका।

अन्य क्षेत्रः तिमारपुर, मल्का गंज और दक्षिणी दिल्ली के कई हिस्से।

सफाई अभियान के कारण यहां भी रहेगी कटौती

भूमिगत जलाशयों और बूस्टर पंपिंग स्टेशन की सफाई के चलते निम्नलिखित क्षेत्रों में अलग से सप्लाई प्रभावित रहेगीः

23 मार्चः बीआई ब्लॉक (शालीमार बाग), आजादपुर मंडी, सेक्टर 18-19 और बादली गांव।

24 मार्चः यू और वी ब्लॉक (शालीमार बाग), पीतमपुरा, आजादपुर मंडी, सेक्टर 18-19 और बादली गांव।

टैंकरों के लिए हेल्पलाइन जारी

दिल्ली जल बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि जिन इलाकों में पाइपलाइन से सप्लाई बंद है, वहां आपात स्थिति में पानी के टैंकर भेजे जाएंगे।

सम्पादकीय

डिएगो गार्सिया पर दो बैलिस्टिक मिसाइलें दाग कर ईरान ने दुनिया को चौंका दिया

4000 किलोमीटर दूर ईरान के हमले ने चौंका दिया ईरान और अमेरिका-इजरायल जंग खतरनाक मोड़ पर पहुंच गई है। अमेरिका-इजरायल की वायुसेना ने शनिवार सुबह ईरानी न्यूक्लियर हार्ट नतांज परमाणु संवर्धन वेंद्र पर भीषण हमला किया। ईरानी परमाणु ऊर्जा संगठन ने इसे आपराधिक हमला करार दिया। हालांकि प्लांट से किसी रेडियोधमा रिसाव की खबर नहीं है। अमेरिका-इजरायल के इस हमले का असर अब वैश्विक जंग पैलने का खतरा हो गया है। नतांज पर हमले के वुछ ही घंटों के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई (आपरेशन टू प्रामिस-4) में हिद महासागर स्थित अमेरिका ब्रिटेन के एयरबेस डिएगो गार्सिया पर दो बैलिस्टिक मिसाइलें दाग कर दुनिया को चौंका दिया। ईरान ने पहली बार पूर्व घोषित 2000 किमी की रेंज की लिमिट तोड़ 4000 किमी दूर प्राहार की क्षमता दिखाईं। रिपोर्ट के मुताबिक एक मिसाइल उड़ान के दौरान विफल हो गई, जबकि दूसरी को रोकने के लिए अमेरिकी युद्धपोत ने एसएम-3 इंटरसेप्टर का इस्तेमाल किया, हालांकि इसकी सफलता की पुष्टि नहीं हुई है। यह हमला इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि डिएगो गार्सिया ईरान से करीब 4000 किलोमीटर दूर है, जो ईरान की घोषित 2000 किलोमीटर की रेंज से दोगुना है। यदि यह रिपोर्ट सही है तो ईरान की मिसाइल क्षमता को लेकर बनी पुरानी धारणाएं टूट चुकी हैं। ईरान को लेकर धारणा थी कि उसके पास 2000 किलोमीटर तक की रेंज की क्षमता है। लेकिन इस हमले से दुनिया सन्न रह गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक 4000 किलोमीटर की रेंज ईरान को इंटरमीडिएट रेंज मिसाइल क्षमता के करीब ले जाती है। इसका मतलब है कि अब यूरोप के कई बड़े शहर जैसे पेरिस, बर्लिन और रोम भी संभावित दायरे में आ सकते हैं।

जबकि लंदन भी खतरे से बाहर नहीं है। यह बदलाव बताता है कि खतरा अब सिर्प खाड़ी देशों या इजरायल तक सीमित नहीं रहा। यदि इसकी पुष्टि होती है तो यह हमला केवल सैन्य कार्रवाई नहीं बल्कि एक बड़ा रणनीतिक संदेश भी माना जाएगा। सेंटर फॉर स्ट्रेटिजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के अनुसार ईरान के पास पमि एशिया में सबसे बड़े और सबसे विविध मिसाइल का जखीरा है। इस जखीरे में कई लंबी दूरी की मिसाइलें शामिल हैं, जो इजरायल तक पहुंचने में सक्षम है। इनमें सेजिल, खुर्रमशहर और गद्र शामिल है। एक रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी मिसाइलें इजरायल तक तो तबाही मचा ही रही हैं पर अब यह दायरा बढ़ भी सकता है। ईरान के पास अलग-अलग प्रांतों में कम से कम 5 भूमिगत मिसाइल शहर भी हैं। ईरान के मिसाइल जखीरे में मोर्टार, रॉकेट, ड्रोन बैलिस्टिक और व्रूज मिसाइलें शामिल हैं। बता दें कि डिएगो गार्सिया ईरान से लगभग 4000 किलोमीटर दूर मध्य हिद महासागर में भारत के दक्षिण और श्रीलंका के दक्षिण- पश्चिम में स्थित है। यह चोगास द्वीप समूह का सबसे बड़ा द्वीप हिद-प्राशांत क्षेत्र में स्थित दो महत्वपूर्ण अमेरिकी बमवर्षक लड़ावू विमानों के बेस में से एक है। दूसरा अड्डा, गुआम में स्थित एंडरसैन वायुसेना अड्डा है। अमेरिका-ब्रिटेन संचालित किए जाने वाला सबसे ज्यादा रणनीतिक महत्व वाले बेहद गोपनीय मिलिट्री ठिकानों में से एक है। ईरान अगर यहां तक पहुंचा है तो यह एक बहुत महत्वपूर्ण घटनाव्रम है।

आईआईसीए ने डीजी पुनर्वास (डीजीआर), रक्षा मंत्रालय के साथ मिलकर, रक्षा अधिकारियों के लिए 'कॉर्पोरेट गवर्नेंस में निदेशकों के प्रमाणन' के अपने चौथे बैच को सफलतापूर्वक पूरा किया

(जीएनएस)।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स (आईआईसीए) ने रक्षा मंत्रालय के पुनर्वास महानिदेशालय (डीजीआर) के साथ मिलकर, 20 मार्च 2026 को गुरुग्राम के मानेसर स्थित आईआईसीए कैंपस में रक्षा अधिकारियों के लिए 'कॉर्पोरेट गवर्नेंस में निदेशकों के प्रमाणन' के चौथे बैच का सफलतापूर्वक समापन किया।

इस दो-सप्ताह के प्रमाणन कार्यक्रम में भारतीय सशस्त्र बलों की तीनों सेवाओं के 30 वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। अगस्त 2024 में अपनी शुरूआत के बाद से, इस कार्यक्रम के तहत अब तक चार बैचों में कुल 120 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों को वे जरूरी साधन उपलब्ध कराना था, जिनकी मदद से वे अपने नेतृत्व के अनुभव को कॉर्पोरेट जगत में इस्तेमाल कर सकें - इसके तहत प्रतिभागियों को कंपनियों को नियंत्रित करने वाले कानूनी और नियामक ढांचों, स्वतंत्र निदेशकों की जिम्मेदारियों, वित्तीय निगरानी, जोखिम प्रबंधन, ईएसजी सिद्धांतों और न्यासी कर्तव्यों से परिचित कराया गया।

विशेषज्ञों और मौजूदा स्वतंत्र निदेशकों के साथ बातचीत से प्रतिभागियों को कॉर्पोरेट नेतृत्व की वास्तविकताओं के बारे में व्यावहारिक जानकारी मिली।

19 मार्च 2026 को आयोजित प्रमाणपत्र वितरण समारोह में, आईआईसीए के महानिदेशक और सीईओ श्री ज्ञानेश्वर कुमार सिंह की अध्यक्षता में, रक्षा मंत्रालय के भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग (डीईएसडब्ल्यू) की सचिव श्रीमती सुकृति लिखी ने मुख्य अतिथि के रूप में शोभा बढ़ाई।

आईआईसीए के महानिदेशक और सीईओ ने इस बात पर जोर दिया कि यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को न केवल तकनीकी ज्ञान प्रदान करता है, बल्कि अनुभवी कॉर्पोरेट लीडर्स, प्रैक्टिशनर्स और साथियों का एक पेशेवर नेटवर्क बनाने का अवसर भी देता है; यह नेटवर्क उनके कॉर्पोरेट भूमिकाओं में जाने के दौरान उनके लिए बहुमूल्य साबित होगा। उन्होंने अधिकारी प्रतिभागियों को आईआईसीए और आपस में जुड़े रहने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि वे पूरे भारत में कॉर्पोरेट गवर्नेंस में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने वाले रक्षा अधिकारियों के बढ़ते समुदाय में अपना योगदान दे सकें।

डीईएसडब्ल्यू सचिव ने रक्षा अधिकारियों के लिए सेवानिवृत्ति के बाद के सार्थक अवसर तैयार करने में आईआईसीए और डीजीआर के बीच सहयोग की सराहना की और आईआईसीए के अकादमिक नेतृत्व की भी तारीफ की, जिसने यह सुनिश्चित किया कि यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को कॉर्पोरेट गवर्नेंस से जुड़ी जिम्मेदारियों के बारे में ज्ञान और गहरी समझ, दोनों के साथ तैयार करे।

सचिव ने इस कार्यक्रम को 'विकसित भारत 2047' के व्यापक राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अंतर्गत रखा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अनुभवी सैन्य लीडर्स का कॉर्पोरेट प्रशासन की भूमिकाओं में आना, केवल करियर में बदलाव नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय सेवा की ही एक निरंतरता है। उन्होंने कहा कि अपने अनुशासन, रणनीतिक सोच और ईमानदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को कॉर्पोरेट क्षेत्र में लाकर, ये अधिकारी अधिक मजबूत संगठनों और अधिक जिम्मेदार संस्थाओं के निर्माण में योगदान देंगे - जो कि एक विकसित और सुदृढ़ भारत के दो अनिवार्य स्तंभ हैं।

आईआईसीए में स्कूल ऑफ कॉर्पोरेट गवर्नेंस एंड पब्लिक पॉलिसी के प्रमुख और कार्यक्रम निदेशक डॉ. नीरज गुप्ता ने कार्यक्रम की शुरूआत में इसका विषयगत संदर्भ प्रस्तुत किया। आईआईसीए की प्रधान अनुसंधान सहयोगी डॉ. अनिंदिता चक्रवर्ती ने कार्यक्रम की कार्यवाही का संचालन किया।

सैमसंग इनोवेशन कैंपस: तकनीक से लैस 400 युवाओं को मिले सर्टिफिकेट, उच्च शिक्षा मंत्री ने थपथपाई पीठ

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में सोमवार को 'सैमसंग इनोवेशन कैंपस' (रकउ-2026) के तहत प्रशिक्षण पूरा करने वाले 400 से अधिक विद्यार्थियों के लिए प्रमाणपत्र वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। अटल सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने शिरकत की। छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान युग तकनीक का है और उत्तर प्रदेश के युवा अब न केवल डिग्री हासिल कर रहे हैं, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) और कोडिंग जैसे वैश्विक कौशलों से भी लैस हो रहे हैं। उन्होंने राष्ट्र विरोधी ताकतों को शिक्षा संस्कार वाली होनी चाहिए। वो कौन सी शिक्षा है जो बच्चों को कलम देने बजाए बंदे भारत पर पत्थर फिंकवा ये, पढ़े लिखे डॉक्टरों को हत्यारा बनाये। शिक्षा संस्कार वाली होनी चाहिए। हमें देश हित राष्ट्र भावना वाली शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए। शिक्षा राष्ट्र विरोधी हरकत करना नहीं सिखाती है वह हमें तकनीक के साथ चलना सिखाती है।

तकनीकी कौशल से बढ़ेगा रोजगार

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए

कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि विश्वविद्यालय का लक्ष्य विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि उन्हें इंडस्ट्री की वास्तविक जरूरतों के लिए तैयार करना है। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर स्किल्स काउंसिल ऑफ इंडिया (एरउक) के सहयोग से संचालित इस कार्यक्रम के जरिए छात्रों को बिग डेटा और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (कङ्कळ) जैसे उन्नत क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया है। इससे न केवल उनकी कार्यक्षमता बढ़ेगी बल्कि डिजिटल इकोनॉमी में उनके लिए रोजगार के नए द्वार भी खुलेंगे।

इंडस्ट्री और एकेडमी के बीच की दूरी कम होगी।

सैमसंग इंडिया के सीएसआर हेड शुभम मुखर्जी और एरउक के वाइस प्रेसिडेंट सरोज आपाटो ने बच्चों एआई के दौर में सैमसंग इनोवेशन कैम्पस के महत्व को समझाया। उन्होंने बताया युवाओं के सहयोग से भारत आत्मनिर्भर राष्ट्र के लक्ष्य को हासिल करेगा। समारोह में कार्यक्रम की संयोजक डॉ. शान-ए-फातिमा ने बताया कि यह प्रशिक्षण छात्रों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। विशेषज्ञों ने जोर दिया कि शिक्षा और उद्योग के बीच का यह तालमेल नई शिक्षा नीति (ठएढ) के उद्देश्यों को पूरा करने में सहायक सिद्ध हो रहा है। समारोह के अंत में उच्च शिक्षा मंत्री ने मेधावी छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किए, जिनके चेहरे पर अपनी मेहनत का फल पाकर एक अलग ही चमक थी। कार्यक्रम में सर्टिफिकेट पाने वाले छात्रों में चुनिंदा छात्रों शिक्षा मंत्री से अपने प्रशिक्षण का अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ रुचिता सुजॉय ने किया।

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. सुमन मिश्रा, डॉ. राजकुमार सिंह, कुलसचिव महेश कुमार, परीक्षा नियंत्रक विकास के साथ ही विश्वविद्यालय के शिक्षक व बड़ी संख्या में छात्र और शिक्षाविद मौजूद रहे।

यामाहा म्यूज़िक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने ए.आर. रहमान को अपना ब्रांड एंबेसडर नियुक्त करने की घोषणा किया

लखनऊ, 23 मार्च 2026: ऑस्कर विजेता संगीतकार और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित संगीत आइकन ए.आर. रहमान

ने भारतीय संगीत को वैश्विक मंच तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी यह प्रेरक यात्रा भारतीय प्रतिभा की वैश्विक क्षमता को दशार्ती है, जो यामाहा म्यूज़िक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की भारत में संगीत संस्कृति को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता से मेल खाती है।

यह साझेदारी भारत के संगीत इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में कंपनी की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का एक अहम मील का पत्थर साबित होगा ।

यामामोटो ताकेतोशी , मैनेजिंग डायरेक्टर, ने कहा,

संगीत यामाहा म्यूज़िक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सोच के केंद्र में है। भारत की समृद्ध संगीत विरासत को वैश्विक पहचान मिलनी चाहिए। हमारी

मेड इन इंडिया

पहल और ए.आर. रहमान के साथ सहयोग के माध्यम से हम नई पीढ़ी के संगीतकारों को प्रेरित करना और देशभर में संरचित संगीत शिक्षा का विस्तार करना चाहते हैं।

रयोजी मारुयामा,सेल्स यूनिट हेड, ने कहा,

हमारा उद्देश्य केवल वाद्ययंत्र उपलब्ध कराना नहीं है। हम कार्यशालाओं, स्कूलों के साथ सहयोग और ग्रामीण पहुंच कार्यक्रमों के माध्यम से संगीत समुदायों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह साझेदारी हर उभरते कलाकार तक संगीत पहुंचाने की हमारी सोच को और मजबूत करती है।

ए.आर. रहमान ने कहा

यामाहा म्यूज़िक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड हमेशा से गुणवत्ता, सटीकता और विश्वसनीयता का प्रतीक रहा है। मुझे ऐसे ब्रांड के साथ जुड़कर गर्व है जिसकी विरासत संगीत उत्कृष्टता पर आधारित है और जिसका

मेड इन इंडिया

दृष्टिकोण गुणवत्तापूर्ण वाद्ययंत्रों को अधिक सुलभ बना रहा है। यह पहल मेरे के. एम. म्यूज़िक कंजर्वेटरी और द सनशाइन ऑर्केस्ट्रा में प्रशिक्षित हो रहे युवा प्रतिभाओं को भी लाभ पहुंचा रही है। यदि हम युवा कलाकारों का मार्गदर्शन जारी रखें और संगीत शिक्षा को मजबूत बनाएं, तो भारतीय संगीतकार वैश्विक मंच पर नेतृत्व कर सकते हैं।"

भारत में दीर्घकालिक विकास योजना के अंतर्गत यामाहा म्यूज़िक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड अपने

मेड इन इंडिया

पोर्टफोलियो को लगातार मजबूत कर रही है, जिसमें विशेष रूप से ऑडियो और संगीत वाद्ययंत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है, ताकि ग्राहकों की आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से पूरा किया जा सके।

ट्रूसोल ने तुलसी हनी के साथ अपना हनी पोर्टफोलियो मजबूत किया; डेली वेलनेस और परंपरा का हुआ संगम

23 मार्च 2026: बैद्यनाथ आयुर्वेद समूह के आधुनिक वेलनेस एवं पर्सनल केयर ब्रांड, ट्रूसोल ने आज 'ट्रूसोल तुलसी हनी' लॉन्च करने की घोषणा की है। यह प्रीमियम डेली वेलनेस उत्पाद दो प्राकृतिक सामग्रियों - तुलसी और शुद्ध शहद - के अनूठे मिश्रण से तैयार किया गया है।

अपनी आयुर्वेदिक विरासत से जुड़ी तुलसी पारंपरिक रूप से सांस लेने में आराम देने, तनाव प्रबंधन में मदद करने और संपूर्ण स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए जानी जाती है, जबकि शहद अपने सुखदायक गुणों और पोषण के लिए मशहूर है। इन दोनों को मिलाकर बनाया गया ट्रूसोल तुलसी हनी सांस लेने में आसानी, शरीर को आराम देने और रोजाना का पोषण प्रदान करने में मदद करता है।

इस फॉमूर्लेशन में उच्च गुणवत्ता वाले शहद का इस्तेमाल किया गया है, जिसे सावधानी से छाना जाता है और कम से कम प्रोसेस किया जाता है ताकि इसके प्राकृतिक एंजाइम, स्वाद और बनावट बरकरार रहें।

इसमें राम और कृष्ण जैसी तुलसी की चुनिंदा किस्मों को मिलाया गया है, जो अपनी विशिष्ट सुगंध और वेलनेस गुणों के लिए जानी जाती हैं। जहाँ राम तुलसी हल्की और ताजगी भरी महक देती है, वहीं कृष्ण तुलसी श्वसन स्वास्थ्य और मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए जानी जाती है। साथ मिलकर, वे एक संतुलित स्वाद बनाते हैं जो जड़ी-बूटी के प्राकृतिक सार को शहद की हल्की मिठास के साथ पेश करता है।

इस उत्पाद में कोई अतिरिक्त चीनी, कृत्रिम संरक्षक (प्रिजर्वेटिव) या सिंथेटिक फ्लेवरिंग नहीं है, जो ट्रूसोल की 'क्लीन-लेबल' फिलॉसफी और पारदर्शिता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

अपने 'रॉ ऑर्गेनिक हनी' को उपभोक्ताओं से मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद, यह नया उत्पाद शहद की कैटेगरी में ट्रूसोल की मौजूदगी को और मजबूत करता है। यह ब्रांड के उस दृष्टिकोण को भी आगे बढ़ाता है जिसमें शुद्ध, प्लांट-बेस्ड वेलनेस सॉल्यूशंस शामिल हैं, जो आयुर्वेदिक परंपरा पर आधारित हैं और आधुनिक जीवनशैली के अनुरूप तैयार किए गए हैं।

लॉन्च के दौरान, ट्रूसोल के सह-संस्थापक अधिराज शर्मा ने कहा,

भारत में बड़े होते हुए हमने देखा है कि हर घर में तुलसी और शहद रोजाना की सेहत के लिए बहुत भरोसेमंद चीजें थीं। लेकिन जैसे-जैसे जीवनशैली बदली, ये पुरानी आदतें धीरे-धीरे दिनचर्या से कम हो गईं। ट्रूसोल तुलसी हनी के साथ हम इस जाने-पहचाने मिश्रण को फिर से लोगों की रोजमर्रा की ज़िंदगी में वापस लाना चाहते हैं - लेकिन एक पारंपरिक दवा की तरह नहीं, बल्कि एक आसान और सुलभ आदत की तरह, जो आज की आधुनिक जीवनशैली में आराम से फिट हो जाए। साथ ही, यह नया उत्पाद हमारे 'रॉ ऑर्गेनिक हनी' की मजबूत नींव पर ही आगे बढ़ता है, क्योंकि हम अपने हनी पोर्टफोलियो का विस्तार कर रहे हैं और उपभोक्ताओं की बदलती सेहत संबंधी जरूरतों के लिए खास प्रोडक्ट्स ला रहे हैं।

इसी दृष्टिकोण को दोहराते हुए, ट्रूसोल के सह-संस्थापक ऋषि राज शर्मा ने कहा,

हमारा मुख्य फोकस तुलसी और शहद दोनों की प्रामाणिकता और गुणों को बनाए रखना था, साथ ही इसे दैनिक जीवन में शामिल करना आसान बनाना था। सावधानी से चुनी गई तुलसी की किस्मों और कम प्रोसेस्ड शहद के साथ, हमने एक ऐसा उत्पाद बनाया है जो पौष्टिक व प्राकृतिक है और सुबह की एक सरल वेलनेस रस्म के लिए आदर्श है।

ट्रूसोल तुलसी हनी का आनंद सीधे, गुनगुने पानी के साथ, या चाय, स्मूदी और नाश्ते में मिलाकर लिया जा सकता है। यह कामकाजी पेशेवरों, परिवारों और फिटनेस प्रेमियों के लिए आदर्श है जो समग्र पोषण की तलाश में हैं।

होंडा ने भारत में दोपहिया वाहन उत्पादन क्षमता बढ़ाई, टपूकड़ा प्लांट में नई लाइन शुरू

23 मार्च 2026: होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्रा. लि. (ल्टरक), जो भारत में होंडा की मोटरसाइकिल उत्पादन और बिक्री सहायक कंपनी है, देश में दोपहिया वाहनों की बढ़ती और विविध होती मांग को पूरा करने के लिए अपनी उत्पादन क्षमता के विस्तार को आगे बढ़ा रही है। एचएमएसआई अपने राजस्थान के अलवर ज़िले स्थित टपूकड़ा प्लांट में तीसरी नई प्रोडक्शन लाइन स्थापित कर अपनी मैन्युफैक्चरिंग क्षमता बढ़ा रही है। यह उपलब्धि

द पावर ऑफ ड्रीम्स

के प्रति एचएमएसआई की अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ती है, जिसका उद्देश्य लाखों भारतीयों को अपने सपनों और लक्ष्यों को आत्मविश्वास के साथ पूरा करने के लिए सशक्त बनाना है।

टपूकड़ा में नई प्रोडक्शन लाइन को 2028 में शुरू करने की योजना है, जिसकी वार्षिक क्षमता 6,70,000 यूनिट होगी। इस विस्तार के साथ, दूसरे प्लांट की कुल क्षमता बढ़कर 20.1 लाख यूनिट प्रति वर्ष हो जाएगी। यह पहल 2,000 से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा करेगी, जिससे क्षेत्र के विकास को और गति मिलेगी।

क्षमता विस्तार पर टिप्पणी करते

हुए, श्री त्सुत्सुमु ओटानी, प्रेसिडेंट एवं सीईओ, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने कहा,

भारत मोबिलिटी परिवर्तन के एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, और एचएमएसआई जिम्मेदारी और उद्देश्य के साथ इस यात्रा का नेतृत्व करने के लिए प्रतिबद्ध है। टपूकड़ा में हमारे प्रोडक्शन इकोसिस्टम को मजबूत करना हमारी सप्लाई चेन में अधिक मजबूती, लचीलापन और भविष्य की तैयारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह विस्तार हमें बाजार की मांग के प्रति अधिक प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाएगा और लाखों ग्राहकों की आकांक्षाओं को समर्थन देने वाला मूल्य प्रदान करना जारी रखने में मदद करेगा। सुरक्षित, स्वच्छ और अधिक सुलभ मोबिलिटी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, हम दीर्घकालिक टिकाऊ विकास पर केंद्रित हैं, जो मोबिलिटी को आगे बढ़ाने के साथ-साथ कंपनी की भविष्य की नींव को और मजबूत करेगा।

राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा ने कहा,

राजस्थान विश्वस्तरीय मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में अपनी स्थिति लगातार मजबूत कर रहा है। टपूकड़ा स्थित अपने प्लांट में होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया द्वारा किया जा रहा क्षमता विस्तार इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। क्षेत्र में एचएमएसआई का निरंतर निवेश न केवल मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को बढ़ाएगा, बल्कि रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा और क्षेत्र के ऑटोमोटिव इकोसिस्टम के विकास में योगदान देगा। हम इस पहल का स्वागत करते हैं और मोबिलिटी, नवाचार तथा आर्थिक विकास में उद्योग के निरंतर योगदान की अपेक्षा करते हैं।

एचएमएसआई भारत में चार मैन्युफैक्चरिंग प्लांट संचालित करता है, जिनकी कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता 62.5 लाख यूनिट है। वर्ष 2001 में संचालन शुरू करने के बाद से कंपनी 7 करोड़ से अधिक यूनिट का उत्पादन कर चुकी है, जो भारत के मोबिलिटी सेक्टर के प्रति उसके पैमाने और दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दशार्ता है। मई 2025 में की गई घोषणा के अनुसार, एचएमएसआई गुजरात के अहमदाबाद ज़िले के विठलापुर प्लांट में चौथी प्रोडक्शन लाइन जोड़ रहा है। यह नई लाइन 2027 में शुरू होने वाली है, जिसका काम योजना के अनुसार प्रगति पर है और यह एचएमएसआई के प्रोडक्शन नेटवर्क को और मजबूत करेगी।

दूसरे प्लांट ने जुलाई 2011 में 6 लाख यूनिट वार्षिक क्षमता के साथ संचालन शुरू किया था, जिसे मार्च 2012 में बढ़ाकर 12 लाख यूनिट कर दिया गया। 2023 से एचएमएसआई मशीनिंग में ऑटोमेशन और प्रोडक्शन एफिशिएंसी टेक्नोलॉजीज लागू कर रहा है, जिसके चलते वर्तमान वार्षिक क्षमता 13 लाख यूनिट हो गई है।

संसदीय प्रश्न: जम्मू-कश्मीर में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल

(जीएनएस)।

जम्मू-कश्मीर में बाढ़, भूस्खलन और जंगल की आग जैसी प्रमुख प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी और क्षति के आकलन के लिए अंतरिक्ष से जुड़ी जानकारी का इस्तेमाल किया जा रहा है। बाढ़ के जलमग्न वाले हिस्सों के मानचित्र, भूस्खलन की सूची, जंगल की आग का पता लगाने आदि जैसे भू-स्थानिक उत्पाद इसरो के भू-पोर्टल जैसे भुवन और राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन डेटाबेस (एनडीईएम) के माध्यम से प्रसारित किए जाते हैं। इसरो ने जम्मू-कश्मीर वन विभाग के लिए भू-स्थानिक तकनीक का इस्तेमाल कर जंगल की आग की रिपोर्टिंग के लिए एक अनुकूलित मोबाइल एप्लिकेशन और विजुअलाइजेशन डैशबोर्ड भी तैयार किया है।

इसरो/ डीओएस ने जम्मू-कश्मीर रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर (जेकेआरएसएसी) के साथ मिलकर केंद्र शासित प्रदेश स्तर पर प्राकृतिक संसाधन जनगणना, राष्ट्रीय आर्द्रभूमि सूची, जैव विविधता लक्षण वर्णन, मरुस्थलीकरण और भूमि क्षरण मानचित्रण तथा आपदा प्रबंधन सहायता जैसे अंतरिक्ष अनुप्रयोग कार्यक्रमों का कार्यान्वयन किया है। कृषि, वानिकी, ग्रामीण विकास और जलसंभर प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में साक्ष्य-आधारित योजना निर्माण में सहायता के लिए अंतरिक्ष-आधारित सूचना सहायता - अद्यतन (एसआईएस-डीपी अपडेट) को भी संयुक्त रूप से कार्यान्वित किया गया।

इसरो ने जम्मू के केंद्रीय विश्वविद्यालय में सतीश धवन अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र (एसडीसीएसएस) की स्थापना की है, जहां संकाय/ शोधार्थी छात्रों को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी पर सीखने और समझ को बढ़ाने के लिए इसरो की सुविधाओं तक पहुंच प्रदान की जाती है। इसरो ने जम्मू-कश्मीर सहित देश के उत्तरी क्षेत्र के लिए एनआईटी जालंधर में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी इनक्यूबेशन सेंटर (एसटीआईसी) और एनआईटी कुरुक्षेत्र में क्षेत्रीय अंतरिक्ष शैक्षणिक केंद्र (आरएसीएस) की स्थापना की है। एसटीआईसी और आरएसीएस कार्यक्रम छात्रों को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से संबंधित परियोजनाओं पर काम करने के मौके दिए करते हैं। उत्तरी क्षेत्र के क्षेत्रीय संस्थान और अन्य संस्थान इन कार्यक्रमों के माध्यम से परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकते हैं। यह व्यवस्था मेजबान संस्थानों और क्षेत्र के अन्य कॉलेजों के छात्रों को इसरो की परियोजनाओं में सक्रिय रूप से हिस्सा लेने और सीधे उन पर काम करने में सक्षम बनाती है।

इसके साथ ही, देश भर के संस्थानों के बीच अंतरिक्ष अनुसंधान के अवसरों को बढ़ाने के लिए, इसरो रिस्पॉन्ड (प्रायोजित अनुसंधान) कार्यक्रम का कार्यान्वयन करता है, जो भारत में किसी भी शैक्षणिक संस्थान को, फिर वह कहीं भी स्थित हो, परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत करने और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से संबंधित परियोजनाओं में भाग लेने की मंजूरी देता है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

शहीद दिवस पर वंदे मातरम चौक घोषित करने हेतु विश्व हिन्दू महासंघ के तत्वाधान में सीएम के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया

(जीएनएस)।

राजधानी लखनऊ/प्रयागराज

शहीद दिवस पर प्रयाग राज में वंदे मातरम चौक घोषित करने हेतु विश्व हिन्दू महासंघ के तत्वाधान में मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया। पूर्व घोषित कार्यक्रम अनुसार विश्व हिन्दू महासंघ प्रयाग राज शाखा द्वारा शहीद दिवस पर ,ल्लरौंल्लॅल्ल चौराहे को वंदे मातरम चौराहा नाम घोषित करने हेतु आज महासंघ के जिला अध्यक्ष बृजेन्द्र त्रिपाठी मुन्ना भैया एवं महामंत्री श्याम सूरत पांडे के नेतृत्व में प्रदेश, मंडल एवं जिला के पदाधिकारियों सदस्यों ने जिलाधिकारी कार्यालय पर जुलूस के माध्यम से सैकड़ों की संख्या में पंहुच कर मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्य नाथ जी महराज को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रतिनिधि अपर जिलाधिकारी श्री सत्यम मिश्रा जी को सौप कर तत्काल कार्यवाही करने की माँग किया आज जुलूस और ज्ञापन सौपने में मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष श्री राम प्रसाद यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती नीलम गिरी मातृ शक्ति, स्वामी दयालु जी महराज धर्मा चार प्रकोष्ठ, श्री बी के पांडे जिला उपाध्यक्ष, श्री ड ढ सिंह ,श्री अरुण पांडे, श्री आकाश मौर्या जिला उपाध्यक्ष, मंजू पांडेय, पूनम दुबे, जानू चौधरी, संजय चौधरी, सुनीता उपाध्यक्ष, अरविंद तिवारी सहित सैकड़ों पदाधिकारी सदस्य गण उपस्थित रहे ,भवदीय श्याम सूरत पांडे महामंत्री विश्व हिन्दू महासंघ प्रयाग राज ।

शुआट्स की निदेशक एचआरएम एवं आर और विश्वविद्यालय की प्रथम महिला डॉ. अभिलाषा जे. लाल को 'वुमन ऑफ सब्सटेंस अवार्ड' से सम्मानित

(जीएनएस)।

राजधानी लखनऊ/प्रयागराज

प्रयागराज में शुआट्स की निदेशक एचआरएम एवं आर और विश्वविद्यालय की प्रथम महिला डॉ. अभिलाषा जे. लाल को 'वुमन ऑफ सब्सटेंस अवार्ड' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें रोटरी क्लब ऑफ इलाहाबाद मिडटाउन द्वारा रविवार को टाउन हॉल, एल चिको होटल, सिविल लाइंस, प्रयागराज में आयोजित एक समारोह में प्रदान किया गया।

डॉ. अभिलाषा को उनके उत्कृष्ट नेतृत्व और समुदाय, समाज तथा देश के प्रति महत्वपूर्ण योगदान के लिए चुना गया। रोटरी क्लब ने उनकी उपलब्धियों और सामाजिक प्रतिबद्धताओं के माध्यम से सकारात्मक प्रभाव डालने की सराहना की।

उन्हें प्रयागराज की 20 जानी-मानी महिलाओं के साथ यह विशेष सम्मान मिला। डॉ. अभिलाषा जे. लाल मिसेज इंडिया इंस्पिरेशनल क्वीन 2025-26 भी हैं। शुआट्स प्रबंधन ने डॉ. अभिलाषा को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

शिक्षक ने 60 साल में जुटाए 80 हजार डाक टिकट: निधन के बाद पीछे छोड़ा अनमोल संग्रह, कीमत 5 लाख से अधिक

(जीएनएस)।

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत निवासी शिक्षक रमाकांत शर्मा का बीते शुक्रवार निधन हो गया। डिजिटल युग में डाक टिकटों को भुला दिए जाने के दौर में उन्होंने अपनी 60 वर्ष की जिंदगी इन्हें सहेजने में समर्पित कर दी। उनके पीछे 80,000 दुर्लभ डाक टिकटों का विशाल संग्रह छूटा है, जिसकी बाजार मूल्य 5 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है।

बचपन के शौक से शुरू हुआ यह संग्रह आजादी पूर्व के दुर्लभ टिकटों से लेकर विश्व के विभिन्न देशों के स्टांपों तक फैला है। उनके घर की अलमारियां किसी संग्रहालय जैसी लगती थीं, जहां हर एल्बम राजनीति, कला और समाज के बदलावों का जीवंत दर्पण बनता था। बाजार जानकारों के मुताबिक, संग्रह में व्यवस्थित वर्गीकरण और अत्यंत दुर्लभ टिकट शामिल हैं, जो छात्रों के लिए शोध का खजाना साबित हो सकते हैं। रमाकांत जी ने अपनी जमापूंजी का बड़ा हिस्सा इन्हें जुटाने में लगाया।

वे मानते थे कि एक छोटा डाक टिकट दुनिया को जोड़ने की ताकत रखता है। अक्सर कहते, 'इंटरनेट की दुनिया में खोई पीढ़ी को इनसे इतिहास सीखना चाहिए।' उनकी अंतिम इच्छा थी कि संग्रह को किसी संस्थान में रखा जाए, जहां छात्र-इतिहास प्रेमी प्रेरणा लें।

पीलीभीत का यह 'टिकट मैन' भले ही अब नहीं रहा, लेकिन उनका 'मिनी म्यूजियम' उनकी यादें हमेशा जीवंत रखेगा। परिवार और स्थानीय प्रशासन संग्रह के भविष्य पर विचार कर रहा है।

गन्ने के खेत में मासूम से दरिंदगी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस नें भेजा जेल

(जीएनएस)।

दोनों आरोपियों नें लालच देकर आठ वर्षीय मासूम को बनाया था अपनी हवस का शिकार

पूरनपुर,पीलीभीत।

रुपये का लालच देकर किशोर को गन्ने के खेत में ले जाकर दो बाल अपचारियों ने उसके साथ कुकर्म की घटना को अंजाम दिया। बारदात से सहमे किशोर ने घर पहुंचकर घटना की जानकारी अपनी मां को दी। जिसके बाद किशोर की मां नें थाने पहुंचकर मामले की शिकायत पुलिस को तहरीर देकर की। पुलिस ने किशोर की मां की तहरीर पर दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। किशोर का मेडिकल परीक्षण भी कराया गया। जिसके बाद पुलिस नें मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए कुकर्म की घटना को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार की शाम उसका नाबालिग पुत्र घर के बाहर खेल रहा था। आरोप है कि पड़ोस के ही दो किशोरों ने उसे रुपये का लालच देकर बरगला लिया। वह उसे गन्ने के खेत में ले गए। जहां कुकर्म किया। बाल अपचारियों के चंगुल से छूटकर घर पहुंचा। किशोर सहमा हुआ था। जिसके बाद मां के पूछने पर किशोर ने घटना की जानकारी दी। किशोर की मां ने मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर किशोर के साथ कुकर्म करने वाले दोनों बाल अपचारियों को दबोच लिया। किशोर का मेडिकल परीक्षण कराया गया। किशोर की मां का आरोप है कि इससे पहले भी दोनों बाल अपचारी उसके बेटे के साथ इस तरह कुकर्म कर चुके हैं। पुलिस नें किशोर के साथ कुकर्म की घटना को अंजाम देने वाले थाना क्षेत्र के गांव माती माफी निवासी पिंकू उर्फ छोटे व अतुल कुमार को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने दोनों आरोपियों को विधिक कार्रवाई पूर्ण करते हुए न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उ0नि0 अनिल कुमार सिद्धू, हेड कांस्टेबल कृष्ण कुमार तथा हेड कांस्टेबल पंकज तेवतिया शामिल रहे। इंस्पेक्टर संजय कुमार ने बताया कि मामले में किशोर के साथ कुकर्म की घटना को अंजाम देने वाले दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

संपत्ति विवाद में रिश्तेदारों का मां-बेटी पर क्रूर हमला, घर में घुसकर पीटा-काटा

(जीएनएस)।

पीलीभीत,नौगवां पकड़िया गांव में संपत्ति विवाद को लेकर एक महिला और उसकी बेटी पर हमला किया गया। आरोप है कि परिवार के ही सदस्यों ने घर में घुसकर मां-बेटी के साथ मारपीट की और बेटी को दांतों से काट लिया। घटना के समय पीड़िता के पति घर पर मौजूद नहीं थे। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नौगवां पकड़िया निवासी गीता देवी (पत्नी भगवान दास)ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि यह घटना बीते दिन दोपहर करीब 4:30 बजे हुई। उस समय उनके पति किसी रिश्तेदारी में गए हुए थे। इसी दौरान उनके जेठ रामेश्वर, उनका लड़का विजय और विजय की पत्नी लक्ष्मी जबरन उनके घर में घुस आए।

गीता देवी के अनुसार, घर में घुसते ही हमलावरों ने चिल्लाना शुरू कर दिया और मकान में हिस्सा मांगने लगे। जब गीता की बेटी कल्पना ने इसका विरोध किया, तो तीनों आरोपियों ने मिलकर उसे लात-घूंसों से पीटना शुरू कर दिया। शोर सुनकर गीता देवी अपनी बेटी को बचाने पहुंचीं, तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। आरोप है कि आरोपी विजय ने कल्पना के हाथ को दांतों से बुरी तरह काट लिया, जिससे वह घायल हो गई।

मौके पर चीख-पुकार सुनकर जब पड़ोस के लोग इकट्ठा होने लगे, तो आरोपी वहां से भाग निकले। जाते समय आरोपियों ने मां-बेटी को जान से मारने की धमकी भी दी। तहरीर में बताया गया है कि यह संपत्ति विवाद काफी पुराना है। पीड़िता गीता देवी ने जानकारी दी कि उनकी शादी को 28 वर्ष हो चुके हैं और उनके छह बच्चे हैं।उनके ससुर स्वर्गीय गंगाराम ने उनके जेठ रामेश्वर को शादी से पहले ही शारदा हॉस्पिटल के सामने गली में एक जगह दिलवा दी थी। हालांकि, अब आरोपी उनके वर्तमान निवास स्थान पर भी हिस्सा मांग रहे हैं। सुनगढ़ी थाना अध्यक्ष नरेश त्यागी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

बबूरा मोहनपुर हादसे में अमन की हालत गंभीर, श्री जितिन प्रसाद ने दिए सख्त निर्देश; किसान नेता ने हायर सेंटर की मांग की

(जीएनएस)।

पीलीभीत/बरेलीः बिलसंडा के ग्राम बबूरा मोहनपुर में 21 मार्च को हुए भीषण सड़क हादसे में नौ लोग गंभीर रूप से घायल हुए, जबकि तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे की दुखद सूचना पर माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद पीड़ित परिजनों से मिलने उनके घर पहुंचे।परिजनों ने मंत्री जी को अपनी व्यथा सुनाते हुए बताया कि घायलों का सही इलाज नहीं हो पा रहा। खासकर बच्चा अमन, जो कोमा में चला गया है, वह रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज बरेली में भर्ती है, लेकिन उसकी देखभाल में लापरवाही बरती जा रही है। इसे गंभीरता से लेते हुए श्री जितिन प्रसाद ने मौके पर ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी घायलों को समुचित इलाज उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने सीएमओ पीलीभीत और सीएमओ बरेली से भी फोन पर बात कर सख्त हिदायतें दीं।इधर, बरेली के रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज में आईसीयू में भर्ती अमन की हालत को देखने पहुंचे किसान नेता देव स्वरूप पटेल से अमन के चाचा श्री जगदीश जी ने बताया कि डॉक्टर कुछ बता ही नहीं पा रहे कि अमन की तबीयत कब सुधरेगी। किसान नेता ने डॉक्टरों से बात की और अमन के स्वास्थ्य लाभ के लिए श्री जितिन प्रसाद से हायर सेंटर में इलाज कराने का अनुरोध किया। पीड़ित परिवार न्याय और बेहतर इलाज की उम्मीद में परेशान है।

हाई-टेंशन लाइन का कहर: पीलीभीत में किशोर की जान लटकी, 6 घंटे के ऑपरेशन ने बचाया

(जीएनएस)।

पीलीभीतएक निजी अस्पताल में डॉक्टरों ने 14 वर्षीय किशोर शनि को नया जीवन दिया है। बरेली जिले के नवाबगंज तहसील के भदपुरा गांव निवासी शनि, हाई-टेंशन लाइन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया था। डॉक्टरों ने एक जटिल ऑपरेशन के जरिए उसकी जान बचाई।

यह घटना 2 मार्च को हुई थी। शनि सड़क किनारे खड़ी एक कंबाइन मशीन पर चढ़ा था, तभी वह ऊपर से गुजर रही 11,000 वोल्ट की हाई-टेंशन लाइन की चपेट में आ गया। करंट लगने से वह दूर जा गिरा, जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आईं।

घायल शनि को उसके परिजन तुरंत पीलीभीत और बरेली के कई अस्पतालों में ले गए। हालांकि, उसकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे 'हायर सेंटर' रेफर कर दिया। अंततः परिजन उसे पीलीभीत के एक निजी अस्पताल में लाए।

अस्पताल के डॉक्टर चरित बोरा ने मामले की गंभीरता को समझते हुए तत्काल जांच शुरू की। सीटी स्कैन में पता चला कि शनि के दिमाग में गहरी चोट थी, सिर की हड्डियां टूट गई थीं और दिमाग की नसें क्षतिग्रस्त हो चुकी थीं। डॉ. बोरा और उनकी मेडिकल टीम ने लगभग 6 घंटे तक जटिल ऑपरेशन किया। डॉक्टरों ने सिर में जमा खून के थक्के हटाए और क्षतिग्रस्त नसों की मरम्मत की। सफल इलाज के बाद शनि की हालत में तेजी से सुधार हुआ और उसे 11 मार्च को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

रविवार देर शाम शनि अपने सिर के टांके कटवाने के लिए दोबारा अस्पताल पहुंचा। उसे पूरी तरह स्वस्थ देखकर परिजनों ने डॉक्टरों का आभार व्यक्त किया। डॉक्टर चरित बोरा ने बताया कि "मरीज जब हमारे पास आया था, तो बचने की उम्मीद बहुत कम थी। हमने परिजनों को सभी खतरों से अवगत करा दिया था। यह मेडिकल टीम की मेहनत और ईश्वर का आशीर्वाद है कि बच्चा आज स्वस्थ है।"

टीआराएआई ने डिजिटल संपर्क के लिए भवनों की रेटिंग विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया

(जीएनएस)।

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण के क्षेत्रीय कार्यालय दिल्ली ने आज नई दिल्ली में "डिजिटल संपर्क के लिए भवनों का मूल्यांकन" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। यह संगोष्ठी टीआरएआई द्वारा 25.10.2024 को जारी "डिजिटल संपर्क के लिए संपत्तियों का मूल्यांकन विनियम" के संदर्भ में और हितधारकों को इस विषय तथा इसके कार्यान्वयन के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी।

टीआरएआई के प्रधान सलाहकार और भारतीय दूरसंचार अधिकारी श्री पुष्पेंद्र कुमार सिंह ने संगोष्ठी का उद्घाटन किया और मुख्य भाषण दिया। इस कार्यक्रम में टीआरएआई, दूरसंचार विभाग (डीओटी), दिल्ली सरकार, हिमाचल प्रदेश सरकार, जम्मू-कश्मीर सरकार, एमओएचए, आरईआरए, बिल्डर्स, शिक्षाविद, दूरसंचार और इंटरनेट सेवा प्रदाता (टीएसपी/आईएसपी), उपभोक्ता संगठन और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

टीआरएआई के क्षेत्रीय कार्यालय दिल्ली के सलाहकार श्री विवेक खरे ने स्वागत भाषण दिया। टीआरएआई के सलाहकार (क्यूओएस) श्री तेजपाल सिंह ने भवन रेटिंग रूपरेखा की व्याख्या की और प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर दिए। अन्य विशिष्ट अतिथियों ने भवनों की डिजिटल संपर्क रेटिंग की आवश्यकता और महत्व पर चर्चा की।

संगोष्ठी में विचार-विमर्श को तीन सत्रों में विभाजित किया गया था। इन सत्रों में डिजिटल संपर्क रेटिंग (डीसीआर) से संबंधित विनियमों, भवन उपनियमों में नियामक प्रावधानों को शामिल करने, प्रक्रिया, कार्यक्षेत्र और संपत्तियों की डिजिटल संपर्क रेटिंग में आने वाली चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इस अवसर पर टीआरएआई, एमओएचयूए, बिल्डर्स, डिजिटल संपर्क रेटिंग एजेंसी, अवसंरचना प्रदाता, दूरसंचार उपकरण विनिमार्ता और फ्लैट मालिक संघों के वक्ताओं ने अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। वक्ताओं ने डिजिटल संपर्क के लिए भवनों की रेटिंग से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

यह संगोष्ठी टीआरएआई की उस सक्रिय भूमिका की भावना से प्रेरित होकर आयोजित किया गया था, जिसके अंतर्गत सरकारों, उद्योग, शिक्षाविदों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर काम किया जाता है ताकि सभी हितधारकों द्वारा स्वैच्छिक रूप से इसे अपनाया जा सके।

बीसलपुर के दुकसी ग्राम पंचायत में लापरवाही और घोटाले की बू: स्कूल से सचिवालय तक सब बेहाल!

(जीएनएस)।

पीलीभीत/विकासखंड बीसलपुर की ग्राम पंचायत दुकसी में सरकारी सुविधाओं की दुर्दशा ने ग्रामीणों को परेशान कर दिया है। प्राइमरी स्कूल में पानी की व्यवस्था चरमरा गई है, विकलांगों के लिए शौचालय की रेलिंग टूटी पड़ी है। गांव में जगह-जगह इंडियन मार्का हैंडपंप खराब हो चुके हैं—एक नहीं, दर्जनों से अधिक। ग्राम प्रधान और सचिव की नजरअंदाजी या घोटालेबाजी की यह स्थिति उजागर हो रही है।सड़कों की हालत खस्ता है, सचिवालय के सामने गंदगी का अंबार लगा हुआ है। सबसे शर्मनाक बात तो यह कि ग्राम पंचायत सचिवालय पर ताला लटक रहा है। गांव वालों का कहना है कि यह कई दिनों से बंद पड़ा है, जिससे कोई सरकारी लाभ नहीं मिल पा रहा। सचिवालय के सामने का नल भी खराब पड़ा है और गांव के मंदिर पर सरकारी नल भी ठप पड़ा हुआ है। इन सबकी बदहाली घोटाले बाजी का बड़ा संकेत दे रही है। तो गांव के वागीश, यशपाल, छेदालाल नाम के व्यक्ति ने बताया कि कई महीनो से सचिवालय नहीं खुला है और कोई भी अधिकारी सचिवालय पर नहीं आता है ग्राम पंचायत में विकास के नाम पर लूट की गई है ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल जांच और सुधार की मांग की है और जब पंचायत सचिव नूरुद्दीन से बात की तो उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत में इतना बजट ही नहीं है स्थानीय प्रशासन की ओर से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

प्रयागराज में सपा नेता के कोल्ड स्टोरेज में अमोनिया टैंक फटा, छत गिरने से 15 मजदूर दबे; 4 मौत की पुष्टि

(जीएनएस)।
राजधानी लखनऊ/प्रयागराज
गंगापार में मलाक हरहर के पास लखनऊ रोड पर चंदापुर गांव के सामने स्थित सपा के पूर्व मंत्री अंसार अहमद के कोल्ड स्टोर में सोमवार दोपहर बड़ा हादसा हो गया।

इस हादसे में अब तक दो लोगों के मौत की पुष्टि हुई है। इनमें 32 वर्षीय ज्योतिष जो सहरसा बिहार का रहने वाला है और दूसरा 44 वर्षीय जगदीश प्रयागराज के फाफामऊ स्थित मलाका के चंदापुर गांव का रहने वाला है। हालांकि दावा नौ मौत का किया जा रहा है।

कई मजदूर झुलसे और घायल अवस्था में शहर के स्वरूपरानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें अमरदीप सादा, बिहार का रंजीत, धर्मेंद्र आदि हैं।

अमोनिया गैस से भरे टैंक के फटने से कोल्ड स्टोरेज की छत गिर गई। इसमें 15 से अधिक मजदूर दब गए।खबर पाकर फायर कर्मियों समेत पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे।

हालांकि अमोनिया गैस के रिसाव के कारण कोई कोल्ड स्टोर के भीतर दाखिल नहीं हो पा रहा है। दबे मलवे से दो लोगों को बाहर निकाला गया, जिन्हें इलाज के लिए एंबुलेंस के जरिए भेजा गया।

लखनऊ रोड पर पूर्व मंत्री का है कोल्ड स्टोर

पूर्व मंत्री अंसार अहमद का लखनऊ रोड पर चांदपुर गांव के सामने आदर्श कोल्ड स्टोर है। सोमवार दोपहर कोल्ड स्टोरेज में आलू रखी जा रही थी। इसी बीच अचानक अमोनिया गैस से भरे टैंक में तेज विस्फोट हुआ।

धमाका इतना तेज था कि कोल्ड स्टोर की छत गिर गई। वहां काम कर रहे मजदूर मलबे में दब गए। धमाके की आवाज सुनकर बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल की तरफ दौड़ पड़े।

मलबे में दबे मजदूर बिहार प्रांत के रहने वाले

खबर पाकर पुलिस प्रशासन के अधिकारी और फायर कर्मी मौके पर पहुंचे। मलबे में दबे मजदूर बिहार के सहरसा के रहने वाले बताए जाते हैं। अमोनिया गैस के रिसाव के कारण फायर कर्मी रेस्क्यू भी नहीं शुरू कर पा रहे हैं।

चारों तरफ अफरा-तफरी का माहौल

कोल्ड स्टोर में हादसे के बाद चारों तरफ अफरा-तफरी और चीख-पुकार का माहौल था। अमोनिया से भरे टैंक के फटने के बाद दीवार ढह गई और वहां काम कर रहे मजदूर दब गए। अन्य मजदूर शोर मचाते हुए बाहर भागे तो वहां आसपास के ग्रामीणों और राजमार्ग से जा रहे लोग भी रुक गए।

नाक और मुंह पर बांधे रुमाल-गमछा

अमोनिया टैंक में ब्लास्ट के बाद तेज दुर्गंध से दूर खड़े लोगों का भी सांस लेना भी मुश्किल हो रहा था। इससे बचने के लिए लोगों ने अपनी नाक और मुंह पर रुमाल और गमछा बांध लिया था ताकि गैस का असर उन्हें न हो।

पीलीभीत में भाजपा कार्यकारिणी को लेकर कार्यकताओं का आक्रोश

(जीएनएस)।
पीलीभीत। जिले में भाजपा की नवीन कार्यकारिणी गठन को लेकर पुराने कार्यकताओं में व्यापक नाराजगी फैल गई है। पुराने और समर्पित कार्यकताओं को महत्वपूर्ण पदों पर जगह न मिलने से वे खफा हैं, जबकि एक ही परिवार से दो सदस्यों को पदाधिकारी बनाए जाने पर सवाल उठ रहे हैं। कार्यकताओं ने इसे पक्षपातपूर्ण बताया है।

जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्या ने विरोध की बात स्वीकार करते हुए कहा कि इसमें कुछ गलती हुई है और इसे शीघ्र सुधारा जाएगा। उनका यह बयान कार्यकताओं के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। कई पुराने कार्यकताओं ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि संगठन में योग्यता के बजाय परिवारवाद हावी हो रहा है, जिससे पार्टी की जमीनी ताकत कमजोर हो सकती है।

स्थानीय स्तर पर यह विवाद पार्टी की आगामी रणनीति को प्रभावित कर सकता है। कार्यकर्ता सुधार की मांग कर रहे हैं, जबकि जिलाध्यक्ष ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही उचित कदम उठाए जाएंगे।

मिशन शक्ति 5 के द्वितीय चरण में यशवंत्री देवी मंदिर पर जागरूकता शिविर

(जीएनएस)।
पीलीभीत, 23 मार्च 2026। मिशन शक्ति 5 (द्वितीय चरण) के तहत महिला कल्याण विभाग के कर्मचारियों ने रविवार को यशवंत्री देवी मंदिर परिसर में विशेष जागरूकता शिविर लगाया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं और मेला देखने आये लोगों को महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा और कल्याण योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

शिविर में महिला कल्याण विभाग की टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को घरेलू हिंसा, साइबर अपराध, दहेज प्रथा तथा अन्य सामाजिक कुरीतियों से बचाव के उपाय बताये। साथ ही, 181 महिला हेल्पलाइन, पीजीपीओ योजना और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। आयोजन के दौरान सैकड़ों लोगों ने भाग लिया और विभिन्न योजनाओं के आवेदन पत्र भी भरवाये गये।

विभागीय अधिकारी ने बताया कि मिशन शक्ति अभियान के तहत जिले भर में ऐसे कार्यक्रम निरन्तर चलाये जा रहे हैं, ताकि महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा सके। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे सकारात्मक कदम बताया।

नवरात्रि मेले में गुम 3.5 साल की राधिका सकुशल बरामद, महिला थाने की टीम ने माता के हवाले किया

(जीएनएस)।
पीलीभीत, महिला थाना की सुरक्षा केंद्र टीम ने यशवंतरी देवी परिसर में लगे नवरात्रि मेले में गुम हुई लगभग 3.5 वर्षीय बालिका राधिका को मात्र कुछ ही घंटों में सकुशल बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया। मिशन शक्ति फेज-5 (द्वितीय चरण) के तहत महिलाओं की सुरक्षा के इस अभियान में पुलिस की तत्परता की आमजन ने खूब सराहना की।थाना कोतवाली क्षेत्र के यशवंतरी देवी मंदिर मेले में बरेली जिले के मोहल्ला संजयनगर, थाना बारादरी निवासी

श्रीमती गुड़िया पत्नी महेश अपनी पुत्री राधिका के साथ घूमने आई थीं। अचानक राधिका गुम हो गई, जिसकी सूचना मिलते ही महिला थाना प्रभारी ने तीन टीमों का गठन किया। लाउडस्पीकर से ऐलान कराए गए और अथक खोजबीन के बाद बालिका को बरामद कर मां के सुपुर्द कर दिया गया।तलाशी टीमःप्रभारी निरीक्षक श्रीमती रीता कुमारीमेला प्रभारी निरीक्षक श्री नितिन कुमारमहिला हेल्पडेस्क कांस्टेबल कनकमहिला कांस्टेबल ज्योतिमहिला कांस्टेबल प्रियांशी यादवमहिला कांस्टेबल रजनीलोगों ने पुलिस टीम के इस त्वरित कार्य की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज वेलिंगटन में 81वें स्टाफ कोर्स समारोह को संबोधित किया

(जीएनएस)।
चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (सीआईएससी) एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने 22 से 24 मार्च 2026 के बीच डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज (डीएसएससी), वेलिंगटन का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने भारतीय रक्षा बलों के विद्यार्थी अधिकारियों, मित्र देशों के उन अधिकारियों को संबोधित किया जो 81वें स्टाफ कोर्स में हिस्सा ले रहे थे, और डीएसएससी के स्थायी स्टाफ को भी संबोधित किया।

इस अवसर पर संबोधन में, सीआईएससी ने युद्ध के बदलते स्वरूप और सैन्य नेताओं के इसके अनुरूप ढलने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने भारत के सामने मौजूद रणनीतिक चुनौतियों की जानकारी दी और उभरती सुरक्षा स्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए 'एकजुटता' और 'अंतर-सेवा तालमेल' के महत्व पर बल दिया। उन्होंने उभरती चुनौतियों की पृष्ठभूमि में भारतीय सेना में किए गए परिवर्तनकारी सुधारों के बारे में विस्तार से बताया।

डीएसएससी के कमांडेंट ने एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित को कॉलेज में चल रही प्रशिक्षण गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। सीआईएससी ने भविष्य के सैन्य नेताओं को तैयार करने में डीएसएससी की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। उन्होंने परिचालन तत्परता तथा सोच-समझकर निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाने में पेशेवर सैन्य शिक्षा के महत्व पर बल दिया।

छात्रों के समर्थन में एबीवीपी के महानगर मंत्री अपने साथियों के साथ प्रो० राजेंद्र सिंह रज्जू भैया राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० अखिलेश कुमार सिंह से मुलाकात

(जीएनएस)।
राजधानी लखनऊ /प्रयागराज
प्रयागराज के रज्जू भईया विश्विद्यालय में फेल हुए छात्रों का मामला अभी शांत नहीं हुआ है। सोमवार को छात्रों के समर्थन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के महानगर मंत्री प्रतीक मिश्रा सूरज अपने साथियों के साथ छात्रों के एक समूह को लेकर प्रो० राजेंद्र सिंह रज्जू भैया राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० अखिलेश कुमार सिंह से मुलाकात की। इस दौरान छात्रों को फेल करने और अगले सेमेस्टर में प्रमोशन से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई और कई मांगें रखी गईं।

छात्रों ने विश्वविद्यालय से कॉपियों का मूल्यांकन पुनः पारदर्शिता से कराने की मांग की। उनका कहना था कि मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव है। एबीवीपी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के नियमों का पालन करने पर जोर दिया। उन्होंने मांग की कि सभी छात्रों को दूसरे सेमेस्टर में प्रमोट किया जाए।

छात्रों ने बताया कि संशोधित परिणाम आने के बाद भी कई छात्रों को ग्रेस मार्क्स नहीं मिले हैं, जिससे उनके भविष्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कुलपति से अनुरोध किया कि संशोधित परिणाम में ग्रेस मार्क्स के पात्र छात्रों को ग्रेस मार्क्स देकर प्रमोट किया जाए।

इसके अतिरिक्त, छात्रों ने विश्वविद्यालय द्वारा ली जाने वाली मूल्यांकन फीस को कम करने की भी मांग की। इस समूह में अंबुज शुक्ला, आकाश दुबे, आकाश शर्मा, मयंक शुक्ला, आर्यन कुमार, आशीष यादव और दिव्यांशु सहित कई अन्य छात्र भी शामिल थे।

बिलसंडा ग्राम पंचायत लिलहर में प्रधान पति पर गंभीर आरोप, मृत गौवंश को खुले मैदान में फेंकने का मामला

(जीएनएस)।
पीलीभीत/बीसलपुर तहसील क्षेत्र के विकासखंड बिलसंडा के ग्राम पंचायत लिलहर में प्रधानपति पर बिगड़े बोल और धमकी देने का आरोप लगा है। कार्यकताओं का कहना है कि उन्होंने प्रधानपति को आवारा पशुओं की अंत्येष्टि के नाम पर हो रहे घपले की शिकायत की, तो उन्हें खुली धमकी दी गई,सूत्रों के अनुसार, पंचायत से आवारा पशुओं की अंत्येष्टि के लिए पैसा निकाला जा रहा है, लेकिन मृत गौवंश को खुले मैदान में फेंक दिया जाता है। इस लापरवाही से ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया है। मृत गौवंश मामले में जिम्मेदारी से बचने के प्रयास में प्रधान पति पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं।

लंबे इंतजार के बाद करेली थाना प्रभारी विपिन शुक्ला ने जेसीबी मशीन भेजकर मृत गौवंश की अंत्येष्टि कराई। ग्रामीणों ने प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है, ताकि पंचायत स्तर पर गौवंश संरक्षण के नाम पर लूट रोकी जा सके। मामला अब तहसील स्तर पर पहुंच चुका है।

पीलीभीत में मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण का भव्य शुभारंभ, महिलाओं का सशक्तिकरण कार्यक्रम आयोजित

(जीएनएस)।
पीलीभीत, 20 मार्च 2026: उत्तर प्रदेश सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के शुभ अवसर पर महिला कल्याण विभाग द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण का शुभारंभ करते हुए महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सैकड़ों महिलाओं ने भाग लिया और विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने के साथ-साथ आत्मरक्षा, कानूनी अधिकारों एवं आर्थिक स्वावलंबन पर जागरूकता प्राप्त की।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला प्रभारी मंत्री/सांसद/ जिलाधिकारी

(नाम के अनुसार) ने संबोधित करते हुए कहा कि मिशन शक्ति मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी योजना है, जो महिलाओं को हर क्षेत्र में सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण में पिंक बूथ, वन स्टॉप सेंटर एवं महिला हेल्पलाइन जैसी सुविधाओं को और मजबूत किया जाएगा।

महिला कल्याण विभाग की जिला अधिकारी ने जानकारी दी कि कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूहों को प्रशिक्षण, कौशल विकास एवं ऋण वितरण के अलावा आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर भी लगाए गए। ग्रामीण एवं शहरी महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे उज्ज्वला, सौभाग्य एवं पोषण अभियान का लाभ उठाया।

इस अवसर पर एसपी पीलीभीत, सीडीओ एवं अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ तथा महिलाओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। जिला प्रशासन ने घोषणा की कि मिशन शक्ति के तहत आने वाले दिनों में और अधिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

बीसलपुर में राष्ट्रीय हनुमान दल की गोष्ठी: नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण, योगी हनुमान नाथ जी मुख्य अतिथि

(जीएनएस)।
पीलीभीत, / बीसलपुर नगर के एक हॉल में राष्ट्रीय हनुमान दल की महत्वपूर्ण गोष्ठी एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती एवं हनुमान जी के चित्र पर पुष्प अर्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ।मुख्य अतिथि योगी आदित्यनाथ महाराज के गुरुभाई

योगी हनुमान नाथ जी रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि पूर्व जिला प्रचारक आरएसएस विजय गंगवार थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीसलपुर विधायक एवं संगठन संरक्षक विवेक वर्मा ने की। प्रदेश उपाध्यक्ष आशीष सक्सेना, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष शिरीष कुमार वैभव, युवा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमित मिश्रा, जिला संरक्षक स्वतंत्र देवल व जगदीश सक्सेना, जिला अध्यक्ष अमित गुप्ता समेत अन्य पदाधिकारियों ने भाग लिया।जिला अध्यक्ष अमित गुप्ता ने स्वागत उद्बोधन दिया। स्वतंत्र देवल ने प्रत्येक मंगलवार हनुमान चालीसा पाठ का आह्वान किया। जगदीश सक्सेना ने लव जिहाद, धर्मांतरण, मठ-मंदिर सेवा, गौ सेवा व जनसंख्या नियंत्रण जैसे अभियानों पर प्रकाश डालते हुए कहा, हिन्दवः सोदराः सर्वे, न हिन्दू पतितो भवेत। हम सारे हिंदू आपस में भाई हैं, जात-पात की करो विदाई। योगी हनुमान नाथ जी ने हनुमान जी के अवतारों पर उद्बोधन दिया और संगठन को कलयुग में रामभक्ति का वाहक बताया। विधायक विवेक वर्मा ने तन-मन-धन से सहयोग का आ

ान किया, जबकि आशीष सक्सेना ने एकजुटता की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का संचालन प्रभात सक्सेना ने किया और संयोजक रवि सक्सेना रहे।कार्यक्रम में बीसलपुर की नई कार्यकारिणी की घोषणा हुई: रवि सक्सेना (जिला उपाध्यक्ष), प्रभात सक्सेना (जिला मंत्री), अनुभव शर्मा (जिला सह-संयोजक), नीरज गुप्ता (जिला सह-प्रचार मंत्री), अभिमान शर्मा (जिला सह-प्रभारी), नगर अध्यक्ष अनुराग हिंदू, शोभित अग्रवाल (नगर महामंत्री संगठन), वैभव मिश्र समेत सभी को मनोनयन पत्र देकर बधाई दी गई।

शहीद भगत सिंह: आजादी की क्रांति के नायक

पीलीभीत में युवाओं व क्रांतिकारी विचार मंच उत्तर प्रदेश के प्रांतीय संरक्षक एवं किसान नेता देव स्वरूप पटेल ने किया स्मरण

(जीएनएस)।
पीलीभीत। क्रांतिकारी विचार मंच उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में महान क्रांतिकारी शहीद भगत सिंह के बलिदान दिवस पर एक भावपूर्ण कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में युवाओं और महिलाओं ने शहीद भगत सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धा सुमन समर्पित किए।क्रांतिकारी विचार मंच उत्तर प्रदेश के प्रांतीय संरक्षक एवं किसान नेता देव स्वरूप पटेल ने कहा कि अंग्रेजों की गुलामी की जंजीरों से भारत माता को आजाद कराने के लिए शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव ने क्रांति अभियान में नई दिशा प्रदान की। उन्होंने असेंबली बम कांड के माध्यम से अंग्रेजी हुकूमत को हिला दिया। पटेल ने युवाओं से शहीद भगत सिंह के जीवन से प्रेरणा लेने का आ

ान किया।कार्यक्रम में विनीत मिश्रा, प्रेमपाल राजपूत, निर्मला राजपूत, अलका, रामसेवक शर्मा, हर प्रसाद गंगवार, सौरभ कटियार आदि ने अपने विचार व्यक्त किए।